

आचरणपंजी/आचरणपुस्तिका पुं. (तत्.) कर्मचारियों अथवा अधिकारियों के चरित्र, आचरण और व्यवहार संबंधी अच्छी बुरी बातें लिखने की एक गोपनीय पुस्तिका, सरकारी कार्यालयों के अतिरिक्त निजी दफ्तरों में भी इस प्रकार का लेखा-जोखा रखने की पुस्तिका होती हैं।

आचरणीय वि. (तत्.) 1. अनुष्ठान करने योग्य 2. आचरण करने योग्य, व्यवहार करने योग्य, व्यवहार्य।

आचरना स.क्रि. (तत्.) आचरण करना, व्यवहार करना।

आचरित वि. (तत्.) 1. आचरण या व्यवहार के रूप में किया गया; किया हुआ 2. अनुष्ठान किया हुआ 3. आचरण के मानदंडों के अनुसार निर्दिष्ट पुं. (तत्.) 1. ऋणी के घर पर धरना देकर धनवसूली की परिपाटी 2. आचरण।

आचार्य वि. (तत्.) करने योग्य, आचरणीय, वंदनीय।

आचांत वि. (तत्.) 1. आचमन किया हुआ जल 2. जिसने आचमन कर लिया हो 3. आचमन करने योग्य।

आचार पुं. (तत्.) 1. व्यवहार 2. रिवाज 3. चरित्र, चाल-चलन 4. आचरण-संबंधी नियम 5. आचार नीति। ethics

आचारज पुं. (तत्.) 1. दे. आचार्य 2. मृत व्यक्ति का क्रियाकर्म करने वाला ब्राह्मण।

आचारजी स्त्री. (तत्.) 1. मृत व्यक्ति का क्रिया-कर्म 2. पुरोहिताई 3. आचार्य होने का भाव।

आचारवत्ता स्त्री. (तत्.) आचारवान होने की स्थिति, सद्व्यवहार।

आचारवान वि. (तत्.) 1. शुद्ध आचार वाला, सदाचारी 2. शास्त्रोक्त कर्म करने वाला 3. कर्मनिष्ठ।

आचार-विचार पुं. (तत्.) 1. आचरण, कार्यव्यवहार 2. ध्यान व चिंतन।

आचार-संहिता स्त्री. (तत्.) आचरण और व्यवहार संबंधी सुव्यवस्थित नियमावली। code of ethics

आचारहीन वि. (तत्.) 1. आचरण से हीन 2. शास्त्रोक्त कर्म या आचरण न करने वाला 3. दुराचारी।

आचारी वि. (तत्.) आचारवान, चरित्रवान, शुद्ध आचरण वाला पुं. (तत्.) रामानुज संप्रदाय का वैष्णव।

आचार्य पुं. (तत्.) 1. गुरु, शिक्षक 2. उपनयन कराने और वेद (तथा आचार) की शिक्षा देने वाला गुरु 3. किसी विषय में पूर्णतः निष्णात विद्वान 4. विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय का प्रोफेसर 5. मतप्रवर्तक 6. पूज्य पुरुष 7. द्रोणाचार्य 8. शास्त्र का व्याख्याता, तत्त्वज्ञ।

आचार्या स्त्री. (तत्.) 1. महिला आचार्य या गुरु, आचार्य का काम करने वाली स्त्री 2. पूजनीया (विदुषी) स्त्री।

आचिंत्य वि. (तत्.) चिंतन करने योग्य, चिंतन का विषय पुं. (तत्.) ईश्वर

आचित वि. (तत्.) 1. संचित 2. व्याप्त 3. भरा हुआ, लदा हुआ पुं. (तत्.) 1. गाड़ी भर का बोझ 2. नापतौल का एक प्राचीन परिमाण जो लगभग 25 मन का होता था।

आचूषण पुं. (तत्.) चूसना, चूसकर बाहर निकाल देना, मुँह या उपकरण से चूस कर बाहर निकालना।

आच्छन्न वि. (तत्.) ढका हुआ, छिपा हुआ, घिरा हुआ, आवृत, व्याप्त।

आच्छाद पुं. (तत्.) 1. ढकने वाला या छिपाने वाला आवरण 2. कपड़ा, पहनने का वस्त्र।

आच्छादक पुं. (तत्.) ऐसी वस्तु जो किसी अन्य वस्तु को ढक ले, आच्छादित करने वाली वस्तु, छत्र के रूप में प्रयुक्त वस्तु, आवरण।

आच्छादन पुं. (तत्.) 1. ढकना, छिपाना 2. आवरण 3. छाजन 4. वस्त्र, पहनावा 5. ढक्कन, खोल।

आच्छादित वि. (तत्.) 1. ढका हुआ, आवृत, आवरण-युक्त 2. छिपा हुआ।